

06⁰⁶/₂₂

आज यह पत्रावली पेश हुयी। वकूलाप
उपाध्याय नहीं हैं। वादी व वादी वकील
को बार-बार आवाज लगायी गयी।
मैंने उपाध्याय नहीं आप। वादी व
वादी वकील के अनुपाध्याय रहने से
मैंने पत्रावली अदम-हाजये अदम
पुस्तकी में खारिज की जाती है। पत्रावली
जोतर अन्तर् होकर नम्बर से कम है।
बाद शर्त दाखिल इजाजत है।